

“पाप दुनिया में आया”

क्या तुम उन व्यक्तियों को जानते हो जिन का कभी जन्म दिन नहीं मनाया गया ?
आदम और हव्वा ! उन का जन्म दिन नहीं हुआ था, बल्कि परमेश्वर ने उन की सृष्टि की । परन्तु वे इतने प्रसन्न थे मानो हर दिन उन का जन्म दिन हो । वे परमेश्वर के साथ रहते थे । वे उस से बातचीत करते थे और उस की आवाज सुन सकते थे । वहाँ कभी झगड़ा, बीमारी या चिन्ता न थी । परमेश्वर ने उन्हें बहुत कुछ दिया था और उस ने उन से कहा :

परमेश्वर ने कहा : “तू वाटिका से सब वृक्षों का फल खा सकता है, केवल जो वृक्ष वाटिका के बीच में है उस का फल तू कभी न खाना । तू उस वृक्ष को छूना भी नहीं, नहीं तो मर जायेगा ।”
हर वस्तु उन की आपनी थी सिवाय इस एक अपवाद के । आदम और हव्वा परमेश्वर से प्रेम करते थे और इस लिये उन्होंने ने प्रसन्न हो कर उस की आज्ञा का पालन किया ।

परन्तु तब वहाँ कोई अचानक आगया जो नहीं चाहता था कि कोई परमेश्वर से अच्छे संबन्ध रखे । वह शैतान था । पहले वह स्वर्गदूत था । वह घमंडी था और परमेश्वर के समान होना चाहता था, और इसी कारण उसे स्वर्ग से निकाल दिया गया था ।

शैतान : “क्या यह सच है कि परमेश्वर ने तुम्हें इस वृक्ष का फल न खाने को कहा ।”

हव्वा : “हम इस वृक्ष के सिवा हर वृक्ष का फल खा सकते हैं अन्यथा : हम मर जायेंगे ।”

शैतान : “तुम नहीं मरोगे ।”

परमेश्वर का शत्रु पुराना झूठा है । वह परमेश्वर के वचन को तोड़ मरोड़ कर रखता है और मन में शंका निर्माण करता है । हव्वा को परमेश्वर की आज्ञा पूर्णतः याद थी परन्तु किसी तरह उस ने ललचाने वाले शैतान की बात मान ली । जब उस ने उस फल को वृक्ष पर देखा तो उसे वह पसंद आया इस लिये उस ने उसे लिया और उस में से कुछ खाया और आदम को दिया जो उस के पास खड़ा था ।

आज्ञा का पालन न करना पाप है और पाप के परिणाम भयानक होते हैं । पहले के समान अब कुछ भी न रहा ।

परमेश्वर ने कहा : “आदम तू कहाँ है ?”

जब परमेश्वर ने उन्हें पुकारा तब वे डर गये, इस लिये वे उस से छिप गये । उन्होंने ने एक दूसरे को दोषी ठहराया । पाप हमें प्रसन्न नहीं करता और धार्मिक परमेश्वर को उन्हें दंड देना पड़ा । पाप की मजदूरी मृत्यु है; इस का अर्थ यह हुआ कि हम हमेशा के लिये परमेश्वर से अलग किये गये । आदम और हव्वा को स्वर्ग को छोड़ देना पड़ा ।

दुनिया में सब से बुरी घटना घटी पाप दुनिया में आ गया । उस समय से हर व्यक्ति पापी बन गया । परन्तु परमेश्वर प्रेम है, इस लिये उस ने तभी एक उद्धारकर्ता का वचन दिया जो हमारे पाप अपने ऊपर लेगा और हमें एक नई शुरुआत देगा ।

अगले ड्रामे में तुम्हें बताऊंगा कि यह उद्धारकर्ता कौन है ।

लोग : वर्णन कर्ता, शैतान, हव्वा, परमेश्वर की आवाज